भारत सरकार
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
पशुपालन और डेयरी विभाग
******

अक्टूबर, 2022 माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय एवं प्रमुख उपलब्धियां।

1. पशुधन स्वास्थ्य:

i. विभाग ने एक ही गोपशु में एक साथ सुरक्षित रूप से एफएमडी और बकरी चेचक (Goat Pox) के टीके के लगाए जाने के संबंध में राज्यों को परामर्शी परिचालित की।

ii. छत्तीसगढ़ राज्य में गोपशुओं में लंपी त्वचा रोग (एलएसडी) की पुष्टि होने पर, विभाग ने निश्चित समय सीमा में रोग को नियंत्रित और निवारित करने के लिए टीकाकरण उपचार और नियंत्रण से संबंधित परामर्शी परिचालित की।

iii. विभाग ने राज्यों को अप्रभावित क्षेत्रों में कार्पेट टीकाकरण/निवारक टीकाकरण के साथ-साथ प्रभावित क्षेत्रों/उपकेंद्रों में नियंत्रित टीकाकरण के संबंध में परामर्शी परिचालित की ताकि गोपशुओं में लंपी त्वचा रोग को नियंत्रित और निवारित किया जा सके।

iv. विभाग ने राज्यों को बकरी चेचक (Goat Pox) के टीके की खरीद के लिए केंद्रीय निविदा प्रक्रिया के माध्यम से बकरी चेचक (Goat Pox) के टीके (5.25 रु.प्रति खुराक, 100 खुराकों के पैक के लिए जीएसटी सहित) की एक समान दर का अनुपालन करने के लिए कहा।

v. विभाग ने दिनांक 14.10.2022 को टीकाकरण की स्थिति और नियंत्रण तथा निवारण संचालन के संबंध में एलएसडी प्रभावित राज्यों के साथ आभासी बैठक आयोजित की और साथ ही संशोधित नियंत्रण और टीकाकरण दिशानिर्देश भी साझा किए।

vi. विभाग ने एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के माध्यम से राज्यों को सहायता के संबंध में एमएचए को पशु मृत्यु दर पर मुआवजे के लिए पात्रता के संबंध में मदों और मानदंडों के तहत पशु प्रमाणन और पहचान दिशानिर्देशों के बारे में सूचित किया।

vii. विभाग ने, इसके अलावा तेजी से निदान और तदनुसार नियंत्रण उपायों के लिए आईसीएआर-एनआईएचएसएडी द्वारा पुष्टि किए गए क्षेत्रों में पशु चिकित्सा विज्ञान और पशुपालन महाविद्यालय, बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (बीएएसयू), पटना, राज्य रोग निदान केंद्र, जयपुर, सेंटर फॉर डायग्नोसिस, सर्विलांस एंड रिस्पांस ऑफ ज़ूनोटिक (सीडीएसआरज़ेड), स्नातकोत्तर पशु चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (पीजीआईवीईआर), पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (रजुवास), जयपुर, आईसीएआर- राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान (निवेदी), बेंगलुरु और पशु चिकित्सा और पशुपालन कॉलेज, कामधेनु विश्वविद्यालय, गुजरात को अधिकृत करते हुये पीसीआर के माध्यम से लंपी त्वचा रोग (एलएसडी) परीक्षण/स्क्रीनिंग का विकेंद्रीकरण किया।

viii. विभाग ने देश में गोपशुओं में लंपी त्वचा रोग के प्रसार और उससे संबंधित मुद्दों पर कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण संबंधी स्थायी समिति (2022-23) के संबंध में लोकसभा सचिवालय को पृष्ठभूमि / अद्यतन नोट प्रस्तुत किया।

ix. महाराष्ट्र राज्य में सूअरों में अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) की घटनाओं की पुष्टि होने पर, विभाग ने निश्चित समय सीमा में इस बीमारी को नियंत्रित और निवारित करने से संबंधित परामर्शी परिचालित की।

x. एनएडीसीपी के तहत अब तक, संचयी आधार पर, 25.03 करोड़ गोपशुओं और भैंसों की ईयर-टैगिंग तथा 13.03 करोड़ गोपशुओं और भैंसों का एफएमडी के लिए टीकाकरण किया जा चुका है। इसके अलावा, ब्रूसेलोसिस के लिए 1.17 करोड़ संचयी टीकाकरण किया गया है। अक्टूबर, 2022 के माह के दौरान, लगभग 02 लाख पशुओं का ईयर-टैगिंग किया गया और 60 लाख पशुओं को एफएमडी का टीका लगाया गया।

2. राष्ट्रीय पशुधन मिशन (एनएलएम) :

4 अक्टूबर, 2022 को मंत्रिमंडल सचिव द्वारा लिए गए निर्णय के अनुपालन में सचिव, एएचडी ने 6 अक्टूबर, 2022 को राज्यों, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के प्रतिनिधियों के साथ आभासी मोड (Virtual Mode) के माध्यम से देश में चारे की स्थिति की समीक्षा करने के लिए बैठक की।

3. क्रेडिट, विस्तार और प्रचार (सीईपी) :

i. केंद्रीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री परशोत्तम रूपाला और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल महोदय ने दिनांक 11 अक्टूबर, 2022 को जम्मू और कश्मीर में 'ए-हेल्प' (स्वास्थ्य और पशुधन उत्पादन के विस्तार के लिए मान्यता प्राप्त एजेंट) कार्यक्रम और मोबाइल पशु चिकित्सा इकाईयों का शुभारंभ किया। ए-हेल्प संयुक्त कार्यान्वयन दिशानिर्देश और स्वस्थ पशु, स्वस्थ लोग सहित प्रकाशन जारी किए गए और माननीय मंत्री महोदय ने एएचडीएफ-केसीसी के तहत संस्वीकृति पत्र सौंपे।

ii. डॉ. एल. मुरुगन, माननीय मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री ने दिनांक 27.10.2022 को शेर-ए-कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी) के श्रीनगर कैंपस में ए-हेल्प के पहले प्रशिक्षण बैच के समापन समारोह में भाग लिया और पाठ्यक्रम पूर्णता सह मान्यता प्रमाण पत्र वितरित किए।

4. अंतर्राष्ट्रीय सहयोग (आईसी) :

i. संयुक्त सचिव (आईसी/व्यापार) और नई दिल्ली में न्यूजीलैंड उच्चायोग की कृषि सलाहकार सुश्री मेलानी फिलिप्स के नेतृत्व में न्यूजीलैंड प्रतिनिधिमंडल के बीच कृषि भवन, नई दिल्ली में दिनांक 10.10.2022 को एक बैठक हुई। बैठक के दौरान अन्य बातों के साथ-साथ दोनों देशों के बीच बाजार पहुंच के मुद्दों और एफएमडी नियंत्रण में सहयोग पर चर्चा की गई। न्यूजीलैंड पक्ष ने माननीय एफएएचडी मंत्री को मांस प्रसंस्करण केंद्रों, अनुसंधान और विकास संस्थानों, न्यूजीलैंड में टैगिंग सिस्टम कार्यालयों का दौरा करने और न्यूजीलैंड के समकक्षों के साथ द्विपक्षीय बैठकें करने के लिए न्यूजीलैंड आने का निमंत्रण भी दिया।

ii. संयुक्त सचिव (आईसी/व्यापार) और नीदरलैंड के कृषि सलाहकार श्री मिशेल वैन एर्केल के बीच दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने के लिए दिनांक 12.10.2022 को कृषि भवन, नई दिल्ली में एक बैठक हुई। बैठक के दौरान, नीदरलैंड से भारत में अटलांटिस किस्म के बोवाइनसीमेन, घोड़ों, बीटाइन एचसीएल (फीड एडिटिव) के आयात के मुद्दे सहित बाजार पहुंच के मुद्दों और उसके साथ-साथ नीदरलैंड में भारतीय डेयरी उत्पादों और भैंस के मांस के बाजार पहुंच संबंधी मुद्दों पर चर्चा की गई। इसके अलावा, दोनों देशों के बीच पशुपालन और डेयरी के क्षेत्र में जेडीआई पर हस्ताक्षर करने और डेयरी में इंडो डच उत्कृष्ट केंद्र की स्थापना के प्रस्ताव पर भी चर्चा हुई।

iii. संयुक्त सचिव (आईसी/व्यापार) और मिस्र के कृषि एवं भूमि सुधार मंत्रालय के केंद्रीय पशु चिकित्सा संगरोध और परीक्षण विभाग के प्रमुख डॉ. वफा ममदौह मोहम्मद की सह-अध्यक्षता

में मिस्र के अधिकारियों के बीच दोनों देशों के मध्य द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा करने के लिए दिनांक 25.10.2022 को एक आभासी बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान भारतीय पक्ष द्वारा मिस्र के पशु चिकित्सकों को प्रदान किए गए प्रशिक्षण के क्षेत्र में सहयोग के अवसरों सहित पशु चिकित्सा विज्ञान के मुद्दे, पूरे मिस्र में पशु चिकित्सा केंद्रों/ बिंदुओं के विकास और आधुनिकीकरण से संबंधित भारतीय अनुभव और प्रौद्योगिकियां प्रदान करने की क्षमता, पशु चिकित्सा टीके और सीरम विनिर्माण आदि के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की गई। इसके अलावा, दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादों के आयात और निर्यात के क्षेत्र में सहयोग सहित बाजार पहुंच के मुद्दों, मिस्र के पोल्ट्री और इसके उत्पादों के भारत में निर्यात की संभावना और मिस्र में भारतीय भेड़/बकरी के मांस की बाजार पहुंच पर भी चर्चा की गई।

5. बजट:

वर्ष 2022-23 के लिए, अक्टूबर, 2022 तक, 4288.84 करोड़ रुपये के बजट अनुमान के मुक़ाबले 818.37 करोड़ रुपये खर्च हुए। अक्टूबर, 2022 माह के दौरान, पशुपालन और डेयरी विभाग का व्यय 75.88 करोड़ रु. था।

6. सोशल मीडिया कार्यकलाप:

माह के दौरान, विभाग के ट्वीटर पेज को 79,742 फॉलोअर्स द्वारा हिट किया गया। सोशल मीडिया कार्यकलापों के तहत, 155 रचनात्मक पोस्ट किए गए, 181 ट्वीट और 1288 री-ट्वीट किए गए, 3 वीडियो और जीआईएफ बनाए गए। विभाग के फेसबुक पर 1,31,979 फॉलोअर्स थे। विभाग के कू अकाउंट के 103,000 फॉलोअर्स हैं। अक्टूबर, 2022 के अंत तक लिंक्डइन के 1163 फॉलोअर्स और इंस्टाग्राम के 900 फॉलोअर्स हो गए हैं।

7. शिकायत निवारण:

पशुपालन और डेयरी विभाग का शिकायत निवारण 95% सीपीग्राम (CPGRAM) पोर्टल के तहत है।

******